Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 25 जून, 2021

अंतर्राष्ट्रीय नाविक दिवस

दुनिया भर में वाणिज्य एवं आर्थिक प्रणाली में नाविकों के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नाविक दिवस' का आयोजन किया जाता है। दुनिया भर का लगभग 90 प्रतिशत व्यापार जहाज़ों के माध्यम से किया जाता है और इन जहाज़ों का संचालन नाविकों द्वारा किया जाता है, जो पानी के माध्यम से व्यापार के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिये अथक प्रयास करते हैं। 'अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन', जो कि नौवहन को विनियमित करने हेतु उत्तरदायी संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, ने वर्ष 2010 में प्रतिवर्ष 25 जून को अंतर्राष्ट्रीय नाविक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसके पश्चात् वर्ष 2011 में पहला 'अंतर्राष्ट्रीय नाविक दिवस' आयोजित किया गया। इस दिवस की शुरुआत का प्राथमिक लक्ष्य आम लोगों को वैश्विक व्यापार और परिवहन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नाविकों के कार्य के संदर्भ में जागरूक करना है। साथ ही यह दिवस निजी जहाज़ कंपनियों से समुद्र में सुरक्षित यात्रा के लिये अपने नाविकों को पर्याप्त सुविधाएँ प्रदान करने का भी आग्रह करता है। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष संस्था है, जिसकी स्थापना वर्ष 1948 में जिनेवा सम्मेलन के दौरान एक समझौते के माध्यम से की गई थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय मानक-निर्धारण प्राधिकरण है जो मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग की सुरक्षा में सुधार करने हेतु उत्तरदायी है।

'कवल प्लस कार्यक्रम'

हाल ही में केरल सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग ने 'कवल प्लस' कार्यक्रम को राज्य के पाँच अन्य ज़िलों में विस्तारित करने की घोषणा की है। बच्चों को देखभाल और सुरक्षा प्रदान करने तथा यौन शोषण से पीड़ित बच्चों का समग्र समर्थन करने संबंधी इस महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम को प्रारंभ में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लॉन्च किया गया था। दिसंबर 2020 में तिरुवनंतपुरम और पलक्कड़ ज़िलों में इसकी शुरुआत के बाद से यह परियोजना क्रमशः लगभग 300 और 150 बच्चों तक मदद पहुँचाने में सक्षम रही है। अब इस परियोजना को एर्नाकुलम, इडुक्की, मलप्पुरम, कोझीकोड और कन्नूर में भी लागू किया जाएगा। इस परियोजना को बच्चों के साथ कार्य करने में सक्षम गैर-सरकारी संगठनों की सहायता से क्रियान्वित किया जाएगा। सभी ज़िलों में गैर-सरकारी संगठन का चयन ज़िला स्तर पर गठित एक समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल कल्याण समिति के प्रतिनिधि एवं संरक्षण अधिकारी (गैर-संस्थागत देखभाल) आदि शामिल होते हैं। पात्र बच्चों के व्यक्तिगत मूल्यांकन के आधार गैर-सरकारी संगठन प्रत्येक बच्चे के लिये व्यक्तिगत देखभाल योजना तैयार करेगा। इसके पश्चात् बच्चों को समग्र मनो-सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक सहायता प्रदान की जाती है।

'सपोर्टिंग आंध्र लर्निंग ट्रांसफॉर्मेशन' कार्यक्रम

हाल ही में 'इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट' (IBRD) ने 'सपोर्टिंग आंध्र लर्निंग ट्रांसफॉर्मेशन' कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिये 1,860 करोड़ रुपए की धनराशि की मंज़ूरी दे दी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को जीवंत और प्रतिस्पर्द्धी संस्थानों में बदलकर बुनियादी शिक्षा में सीखने के परिणामों, शिक्षण प्रथाओं की गुणवत्ता और स्कूल प्रबंधन में सुधार करना है। इस कार्यक्रम के तहत राज्य भर के सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को नया रूप दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत मुख्य तौर पर राज्य द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेज़ी को शुरू करके पाठ्यक्रम में सुधार, बेहतर कक्षा प्रबंधन, शिक्षकों का व्यावसायिक विकास और छात्रों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनने हेतु तैयार करने जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस पाँच वर्षीय परियोजना को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाएगा। ज्ञात हो कि 'इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट' (IBRD) विश्व बैंक में शामिल एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है, जिसे वर्ष 1945 में स्थापित किया गया था और वर्तमान में इसमें 189 सदस्य हैं।

हाई-पावर लेज़र एयर डिफेंस सिस्टम

हाल ही में इज़रायल ने 'हाई-पावर लेज़र एयर डिफेंस सिस्टम' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। विदित हो कि इज़रायल की यह प्रणाली ड्रोन के कारण उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के लिये काफी महत्त्वपूर्ण हो सकती है। इस तरह इज़रायल दुनिया का पहला देश बन गया, जिसने शत्रु के ड्रोन को मार गिराने के लिये एरियल लेज़र हथियारों का निर्माण किया है। प्रारंभ में लेज़र हथियार का परीक्षण एक हल्के विमान पर किया गया और इसने लगभग आधा मील (1 किलोमीटर) की दूरी पर कई ड्रोनों को सफलतापूर्वक मार गिराया। कम निर्माण लागत, व्यापक क्षेत्र को कवर करने की क्षमता और अधिक ऊँचाई पर भी लंबी दूरी के खतरों को प्रभावी ढंग से रोकने की क्षमता इस प्रणाली को काफी महत्त्वपूर्ण बनाती है। इस नई लेज़र प्रणाली में 'सी-म्यूज़िक' के समान ट्रैकिंग तकनीकों का उपयोग किया गया है, ज्ञात हो कि 'सी-म्यूज़िक' विमान में फिट की जाने वाली एक रक्षा प्रणाली है जो आने वाली मिसाइलों की दृश्य क्षमता को कम करने के लिये लेज़र का उपयोग करती है और लक्ष्य को इस हद तक गर्म कर देती है कि वह कुछ सेकंड के भीतर ही आग पकड़ लेता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-25-june-2021